

पत्रांक-सामूहिक बीमा- 32285/2000

Ph. 635125

प्रेषक,

निदेशक,
उपराज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा निदेशालय,
विकास दीप, चतुर्थ तल, छठा लेवल I,
22 स्टेशन रोड, लखनऊ।

सेवा में

- 1- समस्त मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।
- 2- भुगतान एवं लेखाधिकारी,
नई दिल्ली।
- 3- विशेष सचिव,
इरला चेक अनुभाग,
उत्तर प्रदेश शासन,
लखनऊ।

लखनऊ : 16 जून 2000

विषय:- विकेन्द्रीकृत राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के भुगतान के सम्बन्ध में होने वाली त्रुटियों के निवारण हेतु दिशा निर्देश:-

X=====X

महोदय,

शासनादेश संख्या बीमा 768/दस-99/61/ए/99, दिनांक 16.07.99 द्वारा दिनांक 01.10.99 अर्थात् उसके बाद सेवा निवृत्त/मृतक कर्मचारियों के राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत उत्पन्न दावों के भुगतान का कार्य कोषागार/भुगतान एवं लेखा कार्यालय/इरला चेक जैसी स्थिति हो के स्तर पर विकेन्द्रीकृत किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक हुए भुगतान के दावा प्रपत्रों/आगणसोर्ट का परीक्षण करने पर पाया गया कि कतिपय प्रकरणों में त्रुटिपूर्ण भुगतान हो रहे हैं। प्रकरण विशेष के सम्बन्ध में संबंधित कोषाधिकारियों को सूचित किया जा चुका है। इस प्रकार हो रहे त्रुटिपूर्ण भुगतान को देखते से आभास होता है कि कतिपय बिन्दुओं पर कोषा-
-धिकारियों को नियमों की सही-सही जानकारी नहीं है। इस बिन्दुओं के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट करने हेतु कुछ दिशा निर्देश इस परिपत्र के माध्यम से निर्गत किये जा रहे हैं:-

1. समय-समय पर इस योजना के अन्तर्गत अभिदान की दरें परिवर्तित होती रही है। समय-समय पर अभिदान की दरें निम्न प्रकार है:-

।क। पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के सम्बन्ध में अभिदान की दरें।

=====

111

समूह "ग" एवं "घ" के पुलिस कर्मचारियों के अभिदान की दरें:—

अवधि =====	अभिदान की दरें =====
1.3.74 से 28.2.77 तक	रुपये 5/= प्रतिमाह
1.3.77 से 29.2.80 तक	रुपये 10/= प्रतिमाह
1.3.80 से 28.2.90 तक	रुपये 15/= प्रतिमाह
1.3.90 से 30.6.93 तक	रुपये 30/= प्रतिमाह
1.7.93 से	रुपये 30/= प्रतिमाह 11.1.86 से लागू वेतनमानों में जिनके वेतनमान का अधिकतम रु०.2300/= से कम हैं।
1.7.93 से	रुपये 60/= प्रतिमाह 11.1.86 से लागू वेतनमानों में जिनके वेतनमान का अधिकतम रु०.2300/= या इससे अधिक हैं।

121

समूह "ख"

=====

1.3.76 से 29.2.80 तक	रुपये 10/= प्रतिमाह
1.3.80 से 28.2.90 तक	रुपये 40/= प्रतिमाह
1.3.90 से	रुपये 60/= प्रतिमाह

131

समूह "क"

=====

1.3.76 से 29.2.80 तक	रुपये 10/= प्रतिमाह
1.3.80 से 28.2.85 तक	रुपये 40/= प्रतिमाह
1.3.85 से 28.2.90 तक	रुपये 80/= प्रतिमाह
1.3.90 से	रुपये 120/= प्रतिमाह

141

पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़ कर शेष अन्य
अधिकारियों/कर्मचारियों के लिये:—

x=====x

111

समूह "घ"

=====

1.3.76 से 30.9.81 तक	रुपये 10/= प्रतिमाह
1.10.81 से 28.2.90 तक	रुपये 20/= प्रतिमाह
1.3.90 से	रुपये 30/= प्रतिमाह

12। समूह "ग"

1.3.76 से 28.2.80 तक रुपये 10/=प्रतिमाह

1.3.80 से 28.2.90 तक रुपये 20/=प्रतिमाह

1.3.90 से 30.6.93 तक रुपये 30/=प्रतिमाह

1.7.93 से रुपये 30/=प्रतिमाह । 1.1.86 से लागू वेतनमानों में जिनके वेतनमान का अधिकतम रु. 2300/=से कम हो ।

1.7.93 से रुपये 60/=प्रतिमाह । 1.1.86 से लागू वेतनमानों में जिनके वेतनमान का अधिकतम रु. 2300/=या इससे अधिक हो ।

13। समूह "ख"

1.3.76 से 28.2.80 तक रुपये 10/=प्रतिमाह

1.3.80 से 28.2.85 तक रुपये 20x=प्रतिमाह

1.3.85 से 28.2.90 तक रुपये 40/=प्रतिमाह

1.3.90 से रुपये 60/=प्रतिमाह

14। समूह "क"

1.3.76 से 28.2.80 तक रुपये 10/=प्रतिमाह

1.3.80 से 28.2.85 तक रुपये 20/=प्रतिमाह

1.3.85 से 28.2.90 तक रुपये 80/=प्रतिमाह

1.3.90 से रुपये 120/=प्रतिमाह

2. 1.1.96 से लागू पुनरीक्षित वेतनमानों में पुराने वेतनमान रु. 1350-2200 तथा रु. 1400-2300 का एक ही वेतनमान रु. 4500-7000 से प्रतिस्थापित किया गया है जब कि उपर्युक्त प्रस्तर-1 के अनुसार 1.7.93 से वेतनमान रु. 1350-2000 के लिए प्रारंभिक बीमा योजना में प्रयुक्त 50.30/= तथा वेतनमान के आधारों का हित रखा गया

तन्त्रभी
शासनादेश संख्या-
बीमा/959/दस-
93-189।ए1-89
दिनांक 25.06.93

:4:

में मासिक अभिदान रु०.६०/ है अतः दावा
प्रपत्र-26 या 27 में यदि किसी अंकित कर्म-
-चारी का वेतनमान रु०.४५००-७००० अंकित
है तो भुगतान के पूर्व जानकारी प्राप्त कर
ली जाए कि १.७.९३ से ३१.१२.९५ के
मध्य उसका वेतनमान रु०.१३५०-२२००
अथवा १४००-२३०० था, तदनुसार १.७.९३
अथवा वेतन-मान १४००-२३०० स्वीकृत
होने की तिथि से जो भी बाद में हो
रु०.६०/ प्रतिमाह का अभिदान जमा
होना सुनिश्चित कर लिया जाए।

१.१.९६ से वेतनमान रु०.४५००-७०००
के धारकों का मासिक अभिदान वही
होगा जो १.१.९६ के पूर्व था अर्थात्
पुराने वेतनमान १३५०-२००० होने
की दशा में रु०.३०/ प्रतिमाह तथा
पुराना वेतनमान रु०.१४००-२३००
होने की दशा में रु०.६०/ प्रतिमाह।

शासनादेश संख्या-बीमा
-९५९/दस-९३-१८९ ए
-८९ दिनांक २५.०६.९३

इस योजना के अन्तर्गत यदि समूह "ग"
का कोई कर्मचारी समूह "ख" तथा
समूह "ख" का कोई अधिकारी समूह
"क" में दिनांक १.३.८५ से
३०.६.९३ तक की अवधि में पदो-
-न्नत होता है तो उस पर पदो-
-न्नत समूह के अभिदान की दर
पदोन्नत की तिथि के बाद पढ़ने
वाले अगले पहली मार्च से अथवा
१.७.९३ से, जो भी पहले हो
लागू होगी।

शासनादेश संख्या-बीमा/
२६२७/दस-८७/८३
दिनांक २९.१०.८४

उदाहरण-यदि समूह "ग" का एक
कर्मचारी समूह "ख" में १०.४.८५
से पदोन्नति होता है तो २८.२.८६
तक अभिदान-

की दर ₹0.20/=प्रतिमाह तथा 1.3.86 से अभिदान की दर ₹0.40/=प्रतिमाह होगी। इसी प्रकार यदि समूह "ख" का एक अधिकारी 20.5.93 से समूह "क" में पदोन्नत होता है तो 30.6.93 तक अभिदान की दर ₹0.60/=प्रतिमाह तथा 1.7.93 से अभिदान की दर ₹0.120/=प्रतिमाह होगी। यदि समूह "ग" का एक कर्मचारी 1.3.86 से समूह "ख" में पदोन्नत होता है तो 1.3.86 से अभिदान की दर ₹0.40/=प्रतिमाह होगी।

5. इस योजना के अन्तर्गत यदि समूह "क" का कोई अधिकारी समूह "ख" तथा समूह "ख" का कोई अधिकारी समूह "ग" में दिनांक 1.3.85 से 30.6.93 के मध्य पदावनत होता है तो उस पर पदावनत समूह के अभिदान की दर पदावन्ति की तिथि के बाद पडने वाले अगले पहली मार्च से अथवा 1.7.93 से, जो भी पहले हो, लागू होगी। उदाहरण-यदि समूह "क" का अधिकारी समूह "ख" में दिनांक 20.10.86 से पदावनत होता है तो 28.2.87 तक अभिदान की दर ₹0.80/=प्रतिमाह तथा 1.3.87 तक अभिदान की दर ₹0.40/=प्रतिमाह होगी। इसी प्रकार यदि समूह "ख" का अधिकारी समूह "ग" में 1.3.93 से पदावनत होता है तो 28.2.93 तक अभिदान की दर ₹0.60/=

शासनादेश संख्या-बीमा-
2627/दस-87/83
दिनांक 29.10.94

अभिदान की दर ₹०.३०/=प्रतिमाह होगी। यदि समूह "क" का एक अधिकारी समूह "ख" में दिनांक १.३.९१ से पदावनत होता है तो दिनांक १.३.९१ से ही पदावनत समूह का अभिदान ₹०.६०/= प्रतिमाह लागू होगा।

6. १.७.९३ से अथवा उसके पश्चात् किसी कर्मचारी/अधिकारी का वेतनमान/समूह परिवर्तन पदोन्नति अथवा पदावनत के कारण होता है तो वेतनमान/समूह परिवर्तन के माह से परिवर्तित वेतनमान/समूह के लिए निर्धारित अभिदान की दर लागू होगी।

शासनादेश संख्या-सा/सा/बीमा ९५९/दस-९३-१९९१-८९ दिनांक २५.११.९३

- उदाहरण-समूह "ख" का एक अधिकारी १५.४.९४ से समूह "क" में पदोन्नत होता है तो अप्रैल-१९९४ से ही अभिदान की दर ₹०.१२०/=प्रतिमाह होगी।

7. कोई भी कर्मचारी/अधिकारी माह की किसी तिथि को नियुक्ति होता है तो पूरे माह का अभिदान देना होगा। इसी प्रकार कोई कर्मचारी/अधिकारी माह के किसी तिथि से योजना से अलग होता है अथवा उसकी मृत्यु हो जाती है तो उस माह के लिए पूरे माह का अभिदान देना होगा। उदाहरण-एक कर्मचारी दिनांक २०.१०.९९ में सेवा में आता है तो माह अक्टूबर-९९ का पूरा अभिदान देना होगा।

8. अभियन्त्रण विभागों में अवर अधिकारियों को एक निश्चित सेवा अवधि के बाद राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान करने की व्यवस्था है। राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान होने की तिथि से एते अवर अभियन्ता समूह "ख" के अधिकारी हो जाते हैं। इनके दावों के निस्तारण के समय यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि उन्हें राजपत्रित प्रतिष्ठा किस तिथि से प्रदान की गयी है तथा उस तिथि से समूह "ख" के लिए निर्धारित

प्रस्ताव संख्या-सा.मू.

अभिदान जमा किया गया है।

यदि समूह "ख" के किसी अधिकारी को चयन वेतनमान/पदोन्नत वेतनमान मिला है और यह चयन वेतनमान/पदोन्नत वेतनमान समूह "क" के वेतनमानों के समकक्ष है तो इस योजना के अन्तर्गत ऐसे अधिकारी 1.3.85 से अथवा ऐसा चयन/पदोन्नत वेतनमान स्वीकृत होने के दिनांक से, जो भी बाद में हो, समूह "क" के अधिकारी माने जायेंगे और उनके अभिदान की दर समूह "क" के लिए निर्धारित अभिदान की दर के समान होगी।

शासनादेश संख्या-सा.मू.

बीमा-2949/दस-85/

87-83 दिनांक 4.10.85

10. यदि किसी कर्मचारी/अधिकारी को चयन/पदोन्नत वेतनमान आदेश निर्गत होने की तिथि के ~~2.1.85~~ तिथि से स्वीकृत होता है और उस चयन/पदोन्नत वेतनमान के कारण संबंधित कर्मचारी का समूह 1क, ख-
-3ख 1.1 परिवर्तित होता है तो परिवर्तित समूह का अभिदान ~~उपरोक्त प्रस्ताव-4 के अनुसार सुनिश्चित किया जाए~~

अभिदान के अन्तर की धराराशि चयन/पदोन्नत वेतनमान के बकाये के भुगतान के समय ही जमा की जाएगी। उदाहरण-एक सहायक अभियन्ता वेतनमान 2200-4000 को पदोन्नत वेतनमान रु. 3000-4000 दिनांक 1.2.87 से स्वीकृत किया गया जब कि स्वीकृति आदेश दिनांक 1.3.90 को निर्गत हुआ। सहायक अभियन्ता का पदोन्नत वेतनमान रु. 3000-4000 समूह "क" के अधिकारी अधिभागी-अभियन्ता के वेतनमान के समान है। अतः 1.3.87 से अभिदान की दर रु. 80/- प्रतिमाह होगी।

11. यह योजना ऐसे समस्त राज्य सरकार के कर्मचारियों/अधिकारियों पर अनिवार्य रूप से लागू है जो राज्य के अधीन नियमित अधिष्ठान में स्थायी अथवा अस्थायी रूप से

शासनादेश संख्या-सा.मू.

बीमा-1316/दस-1680

दिनांक 21.10.81

पूर्णकालिक सेवा में नियुक्ति हो। राज्य सरकार के अधीन नियुक्ति उत्तर प्रदेश संवर्ग के ऐसे अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों, जिन्होंने केन्द्रीय ग्रुप बीमा योजना के प्राविधानों के अनुसार विकल्प चुनने के सुअवसर पर राज्य की सामूहिक बीमा योजना को अंगीकृत किया हो, पर भी यह योजना लागू होगी। माननीय उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तथा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्यों के लिए यह योजना ऐच्छिक है।

12. राज्य सरकार के अधीन सिविल पदों पर नियुक्त ऐसे सैन्य सेवा से अवकाश प्राप्त अधिकारियों/सैनिकों, जिनकी राज्य सरकार के अधीन नियुक्ति के समय आयु पचास वर्ष से कम हो, पर भी यह योजना लागू होगी।

13. यह योजना ऐसे सरकारी सेवकों पर लागू नहीं है जिन्हें राज्य सरकार के अधीन अल्पकालीन रिक्तियों में सीजनल कार्य के लिए अथवा संविदा पर नियुक्त किया गया हो।

शासनादेश संख्या-सामू
बीमा-1316/दस-16-80
दिनांक 21.10.81

14. सरकारी सेवकों को अपना अभिदान नियमित रूप से प्रत्येक माह देना अनिवार्य है चाहे वह ड्यूटी पर हो, अवकाश पर हो अथवा निलम्बित हो

शासनादेश संख्या-सामू
बीमा-1316/दस-16-80
दिनांक 21.10.81

क्यों कि अवकाश अवधि में तथा

निलम्बन काल में भी सरकारी सेवक का रिस्क कवर्ड रहता है।

प्रतिनियुक्ति पर वाह्य सेवा में तैनात सरकारी सेवक के वेतन से अभिदानों की कटौती करके लेखा शीर्षक "8011-बीमा तथा पेंशन निधियम 107 राज्य सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना" में चालान द्वारा राजकोष में जमा किये जाने की व्यवस्था है। किसी सरकारी सेवक के वेतन से अभिदान की कटौती किन्हीं कारणवश न किये जाने तथा सरकारी सेवक की सेवारत अवस्था में मृत्यु होजाने पर उस अवधि का अभिदान सरकारी सेवक के लाभार्थी/लाभार्थियों से लेखा शीर्षक-"8011-बीमा एवं पेंशन निधिया-107-राज्य सरकारी

के अन्तर्गत नामित व्यक्ति/व्यक्तियों को किया जाए। यदि नामांकन एक से अधिक व्यक्ति के पक्ष में किया गया है तो प्रत्येक नामित व्यक्ति को नामांकन पत्र में अंकित अंश का भुगतान किया जाए। यदि नामांकन पत्र में अंश का निर्धारण न किया गया हो तो प्रत्येक नामित व्यक्ति का हिस्सा बराबर होगा। पेंशन/ग्रेच्युटी अथवा जी.पी.एफ. हेतु भरा गया नामांकन सामूहिक बीमा योजना के लिए मान्य नहीं है।

17. सरकारी सेवक के परिवार में निम्नलिखित सदस्य माने जाते हैं:--

- 111 पत्नी/पति, जैसी स्थिति हो ।
- 121 पुत्रगण
- 131 अविवाहित तथा विधवा पुत्रियाँ
- 141 भाई 18 वर्ष से कम आयु तथा अविवाहित/विधवा बहने
।सौतेले भाई/बहनों सहित।।
- 151 पिता तथा माता।
- 161 विवाहित पुत्रियाँ ।सौतेली पुत्रियों सहित।।
- 171 पहले मृतक हो चुके पुत्रों के पुत्र व पुत्रियाँ।

यदि सरकारी सेवक के परिवार में उपर्युक्त वर्णित सदस्यों में कोई भी सदस्य है और सरकारी सेवक द्वारा परिवार के बाहर के किसी सदस्य को नामित किया जाता है तो वह नामांकन अवैध होगा।

18. यदि सरकारी सेवक द्वारा कोई नामांकन पत्र नहीं भरा गया है अथवा उसके द्वारा भरा गया नामांकन अवैध है तो इस योजना के अन्तर्गत देय धनराशि के लिए लाभार्थी/लाभार्थियों का निर्धारण निम्न क्रम में किया जाएगा:---

- 111 सरकारी सेवक की पत्नी/पति, जैसी स्थिति हो ।
- 121 अवयस्क पुत्र तथा अविवाहित पुत्रियाँ ।
- 131 वयस्क पुत्र ।
- 141 माता व पिता ।
- 151 अवयस्क भाई तथा अविवाहित बहने ।
- 161 विवाहित पुत्रियाँ ।
- 171 पहले मृतक हो चुके पुत्रों के पुत्र व अविवाहित पुत्रियाँ ।

उपर्युक्त क्रम सरकारी सेवक के मृत्यु के दिनांक को परिवार के जीवित सदस्यों के स्थिति के अनुसार निर्धारित होगा। अतः आवश्यक है कि भुगतान के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि मृत्यु के दिनांक को परिवार में कौन सदस्य जीवित थे, पुत्र वयस्क अथवा अवयस्क थे, पुत्रियाँ विवाहित अथवा अविवाहित थीं।

19. यदि परिवार को कोई सदस्य सरकारी सेवक के मृत्यु के समय जीवित था तथा प्रस्तर-18 के अनुसार लाभार्थी था परन्तु भुगतान प्राप्त करने के पूर्व उसकी मृत्यु हो गयी तो दावे का भुगतान न्यायालय द्वारा घोषित उसके विधि उत्तराधिकारी को किया जाएगा।

20. यदि दावे के भुगतान के समय लाभार्थी अवयस्क है तो भुगतान उसके प्राकृतिक संरक्षक को किया जाएगा। यदि प्राकृतिक संरक्षक की अनुपस्थिति में मृत सरकारी सेवक द्वारा नामांकन पत्र के स्तम्भ-7 में संरक्षक नियुक्त कर दिया गया है तो ऐसे नियुक्त संरक्षक को इस प्रतिबन्ध के साथ भुगतान किया जा सकेगा। कि तद्वत्

न्यायालय द्वारा संरक्षक नियुक्त नहीं हैं और मृत सरकारी सेवक द्वारा भी नामांकन पत्र में संरक्षक नियुक्त नहीं किया गया हो तो तद्वत् न्यायालय द्वारा नियुक्त संरक्षक को भुगतान किया जाएगा।

शासनादेश संख्या-सामूबीमा-56/दस-86-36/1981 दिनांक 10.1.86

21. सरकारी सेवक की मृत्यु की तिथि को दावा उत्पन्न हो जाता है अतः

लाभार्थी का निर्धारण दावा उत्पन्न होने की तिथि को किया जाएगा तथा यह भी निर्धारित किया जाएगा कि भुगतान प्राप्त करने वाला व्यक्ति

शासनादेश संख्या-सामूबीमा-56/दस-86-36/1981 दिनांक 10.1.86

उक्त तिथि को नियमों के अनुसार

भुगतान प्राप्त करने का अधिकारी है अथवा नहीं।

22. सेवानिवृत्त अथवा सेवा से अन्यथा पृथक् होने वाले सरकारी सेवकों/लाभार्थियों के दावे जी.आई.एस.प्रपत्र संख्या-26 पर प्रस्तुत होंगे।

सेवारत अवस्था में मृत सरकारी सेवकों के दावे जी.आई.एस.प्रपत्र संख्या-27 पर प्रस्तुत होंगे।

4. योजना में त्रुटिपूर्ण कटौतियों से संबंधित दावे
जी.आई.एस.प्रपत्र संख्या- 24 पर
प्रस्तुत होंगे।

शासनादेश संख्या-सामू
बीमा-2825/दस-85-
5/1980 दिनांक
25.9.85

5. जी.आई.एस.-प्रपत्र संख्या-26 एवं 27 पर दावे आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा संबंधित कोषागार/भुगतान एवं लेखा कार्यालय/इरला चेक अनुभाग जैसी स्थिति हो। में प्रस्तुत किये जायेंगे जब कि जी.आई.एस. प्रपत्र संख्या-24 पर दावे आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा अपने विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ सामूहिक बीमा निदेशालय में प्रस्तुत किये जायेंगे।

6. यदि किसी सरकारी सेवक के दो पत्नियाँ हैं, उनमें से किसी एक ही को इस योजनान्तर्गत उत्पन्न दावों के लिए नामित किया गया है तो नामित पत्नी को दावे का आधा भाग ही देय होगा और शेष आधा भाग

दूसरी पत्नी के अवयस्क बच्चों को

भुगतान किया जाएगा। यदि

सरकारी सेवक के मृत्यु के दिनांक

को नामित न की गयी विधवा

पत्नी का कोई भी बच्चा अवयस्क

नहीं था तो दावे का पूरा अंश नामित पत्नी को भुगतान किया जाएगा।

शासनादेश संख्या-सामूबीमा
56/दस-86-36/1981
दिनांक 10.1.86

यदि सरकारी सेवक के मृत्यु के दिनांक

को उसके परिवार में कोई पात्र व्यक्ति

नहीं था और न ही सरकारी सेवक

ने इस योजनान्तर्गत किसी व्यक्ति को

नामित ही किया था तो ऐसी स्थिति

में दावे का भुगतान न्यायालय द्वारा

निर्गत उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र के आधार

पर किया जाएगा।

शासनादेश संख्या-सामूबीमा
-56/दस-86-36/1981
दिनांक 10.1.86

प्रपत्र-26 व 27 के परीक्षा के समय यदि यह पाया जाता है कि

इसकी पुष्टि आहरण एवं वितरण अधिकारी से करा लेनी चाहिए। यदि यह सुनिश्चित हो जाता है कि किसी अवधि में अभिदान कम जमा है तो अन्तर की धनराशि ट्रेजरी चालान द्वारा लेखा शीर्षक-8011-बीमा तथा पेसा निधियाँ-107-राज्य सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना में जमा कराकर दावे का निस्तारण किया जाए। यदि यह सुनिश्चित हो जाए कि किसी अवधि में अभिदान अधिक जमा है तो नियमानुसार जमा होने योग्य अभिदान के आधार पर दावों का निस्तारण किया जाए तथा अधिक जमा धनराशि को वृत्तिपूर्ण कटौती मानते हुए प्रपत्र -24 पर अलग से दावा तैयार कराकर विभागाध्यक्ष के माध्यम से सामूहिक बीमा निदेशालय को भुगतान/वापसी हेतु भेजा जाए।

- सेवा निवृत्त/सेवा से अन्यथा पृथक होने पर दावे के भुगतान की धनराशि सरकारी सेवक द्वारा अभिदान के रूप में कुल जमा की गयी धनराशि से कम नहीं होगी। यदि बचत निधि की धनराशि और उस पर अनुमन्य ब्याज दोनों मिलाकर उसके द्वारा अभिदान के रूप में जमा की गयी कुल धनराशि से कम होता है तो अन्तर की धनराशि को अतिरिक्त धनराशि के रूप में भुगतान किया

1. शासनादेश सं०-बीमा-1316/दस
16-89 दिनांक 21.10.81

2. शासनादेश सं०-बीमा-2627/दस
87/83 दिनांक 29.10.84

जाएगा। परन्तु त्याग-पत्र के प्रकरणों के दिनांक 01.03.85 से राजपत्रित अधिकारियों के लिए लागू योजना में यह सुविधा अनुमन्य नहीं है।

- सेवा निवृत्ति के उपरान्त मृतक सरकारी सेवक यदि अपनी मृत्यु के पूर्व भुगतान नहीं प्राप्त कर सका है तो जी.आई.एस. प्रपत्र संख्या-26 पर दावा उसके लाभार्थी/लाभार्थियों के पक्ष में तैयार कर आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें निम्नलिखित अभिलेख अवश्य संलग्न होने चाहिए:-

1. मृत्यु प्रमाण-पत्र।

2. नामांकन पत्र। यदि सरकारी सेवक द्वारा अपने जीवनकाल में भरा गया हो।।

3. यदि नामांकन पत्र नहीं भरा है तो सरकारी सेवक के मृत्यु के समय जीवित परिवार के सदस्यों का विवरण जिसमें परिवार के सदस्यों का नाम, मृतक से संबंध, जन्मतिथि, पुत्रियों तथा बहनों के संबंध में

विवाहित/अविवाहित होने की तिथि स्पष्ट रूप से आंकत हो।

4. यदि वरियता क्रम में लाभार्थी होने वाले किसी सदस्य का नाम अथवा पत्नी/पति का नाम परिवार के विवरण में नहीं दिखाया गया है तो इस बात को पुष्टि करायी जाए कि सरकारी सेवक अविवाहित अथवा विवाहित था। विवाहित होने की स्थिति में पत्नी/पति की भी मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पत्नी/पति की मृत्यु सरकारी सेवक की मृत्यु के पूर्व हुई थी।

31. सेवारत मृतक सरकारी सेवक के संबंध में जी.आई.एस.प्रपत्र संख्या-27 पर लाभार्थी/लाभार्थियों के पक्ष में दावा तैयार कर आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा उसके साथ मृत्यु प्रमाण पत्र अवश्य संलग्न होना चाहिए। इस फार्म का प्रस्तर-9 भरा गया हो तो नामांकन पत्र की प्रमाणित प्रति अवश्य प्राप्त की जाए। नामांकन पत्र की प्रमाणित प्रति उपलब्ध न कराये जाने की दशा में माना जाएगा कि सरकारी सेवक द्वारा कोई नामांकन नहीं भरा गया है। लाभार्थी/लाभार्थियों के अवयस्क होने की स्थिति में यदि न तो प्राकृतिक संरक्षक है और न ही सरकारी सेवक द्वारा नामांकन पत्र में कोई संरक्षक नियुक्त किया गया है तो सक्षम न्यायालय द्वारा नियुक्त संरक्षक को दावे का भुगतान किया जाएगा।

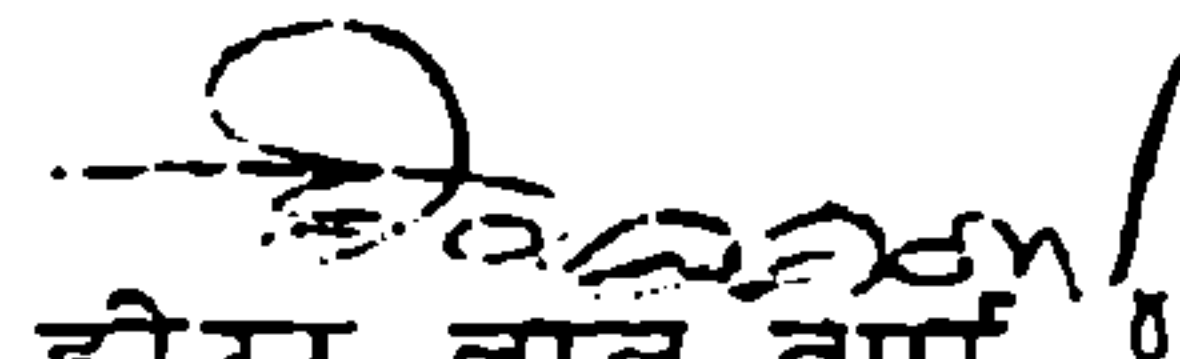
32. यदि फार्म-27 के प्रस्तर-10 भरा गया है तो यह सुनिश्चित किया जाए कि इस प्रस्तर के सभी स्तम्भ सही-सही भरे गये हैं। इन स्तम्भों में दर्शाये गये तथ्य सरकारी सेवक के मृत्यु के दिनांक की स्थिति के अनुसार होने चाहिए। इसके साथ ही मृत्यु प्रमाणपत्र संलग्न होना चाहिए। साथ ही लाभार्थी/लाभार्थियों के अवयस्क होने की स्थिति में प्राकृतिक संरक्षक के अभाव में सक्षम न्यायालय द्वारा नियुक्त संरक्षक को दावे का भुगतान किया जाएगा। लाभार्थी/लाभार्थियों का निर्धारण उपर्युक्त प्रस्तरों में दर्शायी गयी व्यवस्था के अनुसार ही किया जाएगा।

33. जी.आई.एस.फार्म-26 व 27 के सभी प्रस्तर/स्तम्भ भरे गये हैं तथा लागू न होने वाले प्रस्तर/स्तम्भ काट दिये गये हैं, यह सुनिश्चित कर लिया जाए।

34. यह पुनिश्चित कर लिया जाए कि कही योजना में प्रवेश की तिथि वेवा में प्रवेश की तिथि से पूर्व की तो नहीं दर्शायी गयी है। इसी प्रकार समूह "क" में आने की तिथि समूह "ख" में ७ ने की तिथि से पूर्व की तिथि तो अंकित नहीं है।
35. फार्म में यदि कही कोई संशोधित किया गया है तो संशोधित/कटिंग की गयी प्रविष्टियां पापलौर पर सुमाणित कर दी गयी है।
36. शासनादेश संख्या-768/दप-99/61/ए/99, दिनांक 16.07.99 की व्यवस्था के अनुसार फार्म-28, व 47 "ख", आगमनशीट, दावा प्रपत्र §26 व 27§ नियमित रूप से पामूहिक बीमा निदेशालय में प्रत्येक माह की दस तारीख तक प्राप्त कराना पुनिश्चित किया जाए।
37. इसी फार्म-17 पर लेखा शीर्षक-"8011-बीमा तथा पेंशन निधि-107 राज्य कर्मचारी समूह बीमा योजना के अन्तर्गत प्राप्तियों का वर्गीकृत विवरण §समूह-क, ख, ग, घ§ प्रत्येक माह की दस तारीख तक प्राप्त कराना पुनिश्चित किया जाए।
38. अखिल भारतीय वेवा के अधिकारियों के संबंध में लेखा शीर्षक-"8658-उच्चत खाता-123 ए.आई.ए. अधिकारी ग्रुप बीमा योजना अभिदानों" के अन्तर्गत प्राप्तियों का विवरण, जिसमें अधिकारी का नाम अभिदान की धनराशि, अभिदान का माह वर्ग का नाम यथा आई.ए.ए. , आई.पी.ए. एवं आई.ए.ए. एम.आदि का उल्लेख हो, प्रत्येक माह की दस तारीख तक पामूहिक बीमा निदेशालय को अवश्य उपलब्ध कराया जाए।
39. भुगतान निर्गत किये जाने संबंधी चेक द्वारा लाभार्थी द्वारा उपलब्ध करायी गयी। राष्ट्रीय कृत बैंक का नाम, शाखा का नाम व खाता संख्या अवश्य अंकित किया जाए।
40. यदि किसी मामले में एक से अधिक लाभार्थी हों तो प्रत्येक लाभार्थी को देय अंश की चेक अलग-अलग निर्गत की जाए।
41. किसी भी दशा में आहरण वितरण अधिकारी के पक्ष में पामूहिक बीमा योजना संबंधी चेक निर्गत न जाए।

- 42 लापता परकारी पैक के सामूहिक शापनादेश संख्या-408/दस
बीमा योजना संबंधी दावों का -97-105 ए/91 टी.सी.
निस्तारण प्रमुख अंकित शापना दिनांक 17.10.97
देश के अनुसार किया जाए।
- 43 उपर्युक्त दिशा निर्देशों को दृष्टिगत रखते हुए सामूहिक बीमा
योजना के प्रकरण निस्तारित किये जाते हैं तो गलत/त्रुटिपूर्ण
भुगतान की सम्भावना नहीं रह जाती है इस परिपत्र में पदभिन्न
शापनादेशों का भी अवलोकन कर लिया जाए। यदि कोई ऐसा
प्रकरण आता है जिसकी निस्तारण उपर्युक्त दिशा निर्देशों के
अनुसार कठिनाई आती है तो ऐसे प्रकरण पूर्ण तथ्यों के साथ
इस निदेशालय को पदभिन्न किये जाए।

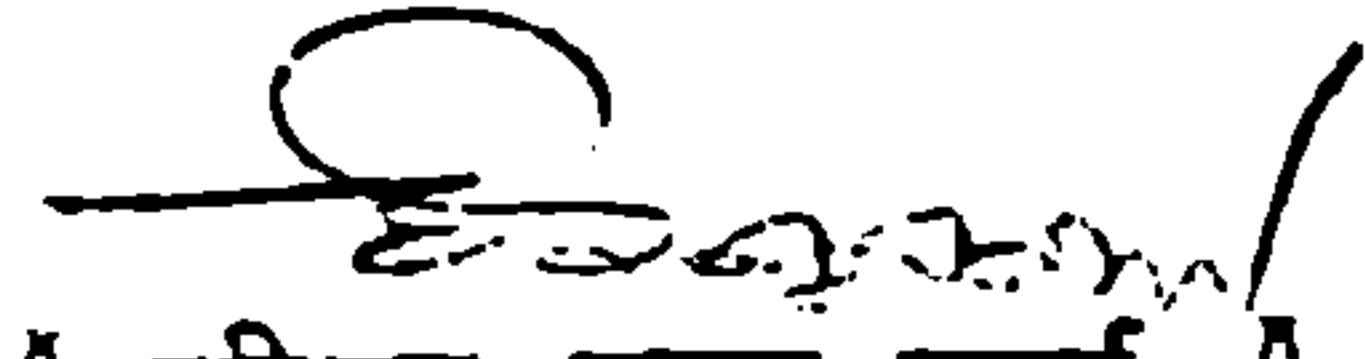
भवदीय,


॥ हीरा लाल वर्मा ॥
निदेशक।

पत्र संख्या व दिनांक उपर्युक्त:-
=====

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही
हेतु प्रेषित:---

1. पंचिव, वित्त ॥ बीमा ॥ अनुभाग, उ०प्र० शासन, लखनऊ।
2. निदेशक कोषागार, उ०प्र० जवाहर भवन, टपवी मजिल, लखनऊ।
3. समस्त संयुक्त निदेशक कोषागार एवं पेशन, उत्तर प्रदेश।


॥ हीरा लाल वर्मा ॥
निदेशक।

शासनादेश संख्या: सा-4-642/10-97-502/85, दिनांक 29 जुलाई, 1997

सामान्य भविष्य निधि (उत्तर प्रदेश) (प्रथम संशोधन) नियमावली, 1997

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

जमा से सम्बद्ध बीमा योजना

नियम 23— सेवा के दौरान अभिदाता की मृत्यु होने पर समूह "घ" के अभिदाताओं के मामले में लेखा अधिकारी और अन्य मामलों में द्वितीय अनुसूची के पैरा 2 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, ऐसे अभिदाता की मृत्यु के ठीक पूर्ववर्ती 3 वर्ष के दौरान लेखे में औसत अतिशेष के बराबर अतिरिक्त धनराशि के भुगतान की स्वीकृति देगा और आहरण और वितरण अधिकारी के द्वारा अभिदाता के जमा खाते में विद्यमान धनराशि पाने के लिए हकदार व्यक्ति को उसका तुरन्त संवितरण करने का प्रबन्ध करेगा :

(क) मृत्यु के मास के पूर्ववर्ती तीन वर्ष के दौरान ऐसे अभिदाता के जमा खाते में विद्यमान अतिशेष किसी भी समय निम्नलिखित की सीमा से कम न हुआ है:

(एक) ऐसे अभिदाता जिसने उपर्युक्त तीन वर्ष की अवधि के वृहत् भाग में ऐसा पद धारण किया हो

जिसके वेतनमान का अधिकतम 4,000 रुपये या अधिक हो, के मामले में 12,000 रुपया।

(दो) ऐसा अभिदाता जिसने उपर्युक्त तीन वर्ष की अवधि के वृहत् भाग में ऐसा पद धारण किया हो जिसके वेतनमान का अधिकतम 2,900 रुपये या अधिक किन्तु 4,000 से कम हो के मामले में 7,500 रुपया।

(तीन) ऐसे अभिदाता जिसने उपर्युक्त तीन वर्ष की अवधि के वृहत् भाग में ऐसा पद धारण किया हो जिसके वेतनमान का अधिकतम 1,151 रुपया या इससे अधिक किन्तु 2,900 रुपया से कम हो के मामले में 4,500 रुपया।

(चार) ऐसे अभिदाता जिसने उपर्युक्त तीन वर्ष की अवधि के वृहत् भाग में ऐसा पद धारण किया हो जिसके वेतनमान का अधिकतम 1,151 रुपया से कम हो, के मामले में 3,000 रुपये

जब कोई व्यक्ति अपने कर्म के समय में मृत्यु पावे

टिप्पणी-1 इसका अर्थ है कि उस मास के वित्त में जो दुःख के कारण मृत्यु हो

अभिदाता के अन्तर्गत में विद्यमान अतिशेष के आधार पर है, जहाँ तक

जहाँ सम्बन्धित है, वह न्यूनतम अतिशेष की जाँच के प्रयोजन के लिए है

जहाँ तक अतिशेष के अन्तर्गत में विद्यमान है, के अनुसार अन्तर्गत में अतिशेष का

(ख) यदि उपर्युक्त 36 मास का अतिशेष मास मार्च न हो तो उक्त अतिशेष मास के अन्त में अतिशेष के अन्तर्गत उस वित्तीय वर्ष के जिनमें मृत्यु हो, प्रारम्भ से उक्त अतिशेष मास के अन्त तक की अवधि के संबंध में व्याज भी है।

टिप्पणी-2 इस योजना के अधीन भुगतान पूर्ण रूप में किया जायेगा। वनराशि का निकटतम पूर्ण रूप में पूर्णांकित किया जायेगा। रुपये के पचास पैसे से कम किसी भाग को छोड़ दिया जायेगा और किसी अन्य भाग को अगले उच्चतर रूप के रूप में गिना जायेगा।

टिप्पणी-3 इस योजना के अधीन देय कोई धनराशि दीमा की धनराशि की प्रकृति का है जो कि उक्त नियम विधि अधिनियम 1925 के अन्तर्गत में लागू किया गया अन्तर्गत योजना के अधीन देय धनराशि पर लागू नहीं होता।

टिप्पणी-4 जब कोई सरकारी सेवक नियम 25 व 26 के अधीन नियुक्त होकर मृत्यु पावे तो वह नियुक्त, व्यवस्थित, तीन वर्ष की सेवा पूरी करने या निधि का संचालन करने में दिवसों में तीन वर्ष की सेवा के पूर्व उसकी मृत्यु हो जाए तो पूर्ववर्ती सेवाओं में वह अधीन उसकी सेवा की उस अवधि को गणना जिसके सम्बन्ध में इसको अभिलेखों की धनराशि और सेवायोजक का अशदान, यदि कोई हो, तथा व्याज प्राप्त हो गया हो, खण्ड (क) और खण्ड (ग) के प्रयोजनों के लिये की जायेगी। पूर्ववर्ती सेवायोजक के अधीन सेवा के संबंध में उपर्युक्त टिप्पणी-1 में निर्दिष्ट औसत अतिशेष उस सेवायोजक के अभिलेखों के आधार पर निकाला जायेगा।

टिप्पणी-5 समूह 'घ' के अभिदाताओं से भिन्न अभिदाताओं के मामले में, इस नियम के अधीन भुगतान की गयी धनराशि की सूचना लेखा अधिकारी को दी जायेगी जो गणनाओं की जाँच करेगा और जो यह बतायेगा कि अधिक धनराशि का भुगतान कर दिया है या नहीं। उक्त धनराशि के अन्तर्गत में



जब नियम 5 के या एतदपूर्व प्रवृत्त तत्समान नियम के उपबन्धों के अनुसार किसी अभिदाता द्वारा अपने परिवार के सदस्य या सदस्यों के पक्ष में किया गया नामांकन विद्यमान है तो निधि में उसके जमाखाता में विद्यमान धनराशि या उसका भाग जिसके संबंध में नामांकन हो, उसके नामांकित या नामांकितियों को नामांकन में विनिर्दिष्ट अनुपात में देय हो जायेगी।

लग्नक—(१)

भिदाता की मृत्यु पर प्रक्रिया.

किसी अभिदाता की मृत्यु उसके जमाखाता में विद्यमान धनराशि उसे देय होने के पूर्व या यदि धनराशि देय हो गयी हो तो उसका भुगतान होने के पूर्व, होने पर अभिदाता को जमाखाते की धनराशि का भुगतान निम्नलिखित रीति से किया जायेगा:—

एक) जब अभिदाता अपने पीछे परिवार छोड़ता है और—

(क) यदि नियम 5 के या एतदपूर्व प्रवृत्त तत्समान नियम के उपबन्धों के अनुसार अभिदाता द्वारा अपने परिवार के सदस्य या सदस्यों के पक्ष में किया गया नामांकन विद्यमान है तो निधि में उसके जमाखाता में विद्यमान धनराशि या उसका भाग जिसके संबंध में नामांकन हो, उसके नामांकित या नामांकितियों को नामांकन में विनिर्दिष्ट अनुपात में देय हो जायेगी।

(ख) यदि अभिदाता के परिवार के सदस्य या सदस्यों के पक्ष में कोई ऐसा नामांकन न हो या यदि ऐसा नामांकन निधि में उसके जमाखाता में विद्यमान धनराशि के केवल किसी भाग के संबंध में हो, तो यथास्थिति, ऐसी सम्पूर्ण धनराशि या उसका भाग जिसके संबंध में नामांकन न हो, उसके परिवार के सदस्य या सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में तात्पर्यित किसी नामांकन के होते हुए भी, उसके परिवार के सदस्यों के बराबर भाग में देय हो जायेगी। परन्तु कोई अंश—

- 1— पुत्रों को जो वयस्क हो गये हों,
- 2— मृत पुत्र के पुत्रों को जो वयस्क हो गये हों,
- 3— विधवाएँ जो अपने पति के निधन के पक्ष में जीवित हों,

देय नहीं होगा यदि खण्ड (1), (2), (3) और (4) में इन विनिर्दिष्ट सदस्यों से भिन्न परिवार का कोई सदस्य हो :

परन्तु यह ओर कि किसी मृत पुत्र की विधवा या विधवायें और संतान या संताने अपने बीच बराबर-बराबर भाग में केवल उस अंश को प्राप्त करेंगे, जिसे वह पुत्र प्राप्त करता है यदि वह अभिदाता के बाद तक जीवित रहता और उसे प्रथम परन्तुक के खण्ड (1) के उपबन्धों से छूट दी गयी होती।

टिप्पणी-1— अभिदाता के परिवार के सदस्य को इस नियम के अधीन देय कोई धनराशि भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन ऐसे सदस्य में निहित होती है।

टिप्पणी-2— जहाँ कोई नामाकिती भविष्य-निधि अधिनियम, 1925 की धारा 2 के खण्ड (ग) में यथापरिभाषित अभिदाता का आश्रित हो, वहाँ धनराशि अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन ऐसे नामाकिती में निहित होती हैं।

(दो) जब अभिदाता अपने पीछे कोई परिवार नहीं छोड़ता और यदि नियम 5 के या एतदपूर्व प्रवृत्त तत्समान नियम के उपबन्धों के अनुसार उसके द्वारा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में किया गया नामांकन है तो निधि में उसके जमा खाते में विद्यमान धनराशि या उसका भाग जिसके सम्बन्ध में नामांकन हो, उसके नामाकिती या नामाकितियों को नामांकन में विनिर्दिष्ट अनुपात में देय होगा।

(तीन) जब अभिदाता अपने पीछे कोई परिवार नहीं छोड़ता और नियम 5 के उपबन्धों के अनुसार उसके द्वारा किया गया कोई नामांकन नहीं है या यदि ऐसा नामांकन निधि में उसके जमाखाते में विद्यमान धनराशि में केवल एक भाग से संबंधित हो तो भविष्य-निधि अधिनियम, 1925 की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) और खण्ड (ग) के उप खण्ड (दो) के सुसंगत उपबन्ध ऐसी सम्पूर्ण धनराशि या उसके भाग पर जिसके सम्बन्ध में नामांकन न हो, प्रयोज्य होंगे।

G.I.S. Subscription Rate G.O. List

Printing Date : 08/07/2008

Page No. #

Rate Code	Period for G.O. From Date - To Date	Subscription Insurance Fund	Saving Insurance Fund	Insurance Amount	Rate Interest
	Pay Scale	G.O. Letter No. & Date			Cal. Method
NON-POLICE Class-I (Gazetted)					
4	01/03/1976 - 29/02/1980	10.00	2.87	7.13	12000.00
	0.00 - 999999.00	LET/76-80			01/03/1976 (A-C)
11	01/03/1980 - 28/02/1985	20.00	6.05	13.95	25000.00
	0.00 - 999999.00	LET/80-85			01/03/1980 (A-C)
18	01/03/1985 - 28/02/1987	80.00	25.00	55.00	80000.00
	0.00 - 999999.00	LET/85-87			01/03/1985 (Q-C)
40	01/03/1987 - 28/02/1990	80.00	25.00	55.00	80000.00
	0.00 - 999999.00	CIV-LET-1/87-90			01/03/1987 (Q-C)
32	01/03/1990 - 30/06/1993	120.00	36.00	84.00	120000.00
	0.00 - 999999.00	LET/90-93			01/03/1990 (Q-C)

NON-POLICE Class-II (Gazetted)

5	01/03/1976 - 29/02/1980	10.00	2.87	7.13	12000.00
	0.00 - 999999.00	LET2/76-80			01/03/1976 (A-C)
12	01/03/1980 - 28/02/1985	20.00	6.05	13.95	25000.00
	0.00 - 999999.00	LET2/80-85			01/03/1980 (A-C)
19	01/03/1985 - 28/02/1987	40.00	12.50	27.50	40000.00
	0.00 - 999999.00	LET2/85-87			01/03/1985 (Q-C)
40	01/03/1987 - 28/02/1990	40.00	12.50	27.50	40000.00
	0.00 - 999999.00	CIV-LET-2/87-90			01/03/1987 (Q-C)
29	01/03/1990 - 30/06/1993	60.00	18.00	42.00	60000.00
	0.00 - 999999.00	LET2/90-93			01/03/1990 (Q-C)

NON-POLICE Class-III (Non-Gazetted)

6	01/03/1976 - 29/02/1980	10.00	2.87	7.13	12000.00
	0.00 - 999999.00	LET3/76-80			01/03/1976 (A-C)
13	01/03/1980 - 28/02/1987	20.00	6.05	13.95	25000.00
	0.00 - 999999.00	LET3/80-87			01/03/1980 (A-C)
39	01/03/1987 - 28/02/1990	20.00	6.05	13.95	25000.00
	0.00 - 999999.00	CIV-LET-3/87-90			01/03/1987 (Q-C)
30	01/03/1990 - 30/06/1993	30.00	9.00	21.00	30000.00
	0.00 - 999999.00	LET3/90-93			01/03/1990 (Q-C)

NON-POLICE Class-IV (Non-Gazetted)

7	01/03/1976 - 30/09/1981	10.00	2.87	7.13	12000.00
	0.00 - 999999.00	LET4/76-81			01/03/1976 (A-C)
16	01/10/1981 - 28/02/1987	20.00	6.05	13.95	25000.00
	0.00 - 999999.00	LET4/81-87			01/10/1981 (A-C)
38	01/03/1987 - 28/02/1990	20.00	6.05	13.95	25000.00
	0.00 - 999999.00	CIV-LET-4/87-90			01/03/1987 (Q-C)
31	01/03/1990 - 30/06/1993	30.00	9.00	21.00	30000.00
	0.00 - 999999.00	LET4/90-93			01/03/1990 (Q-C)

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,
प्रमुख सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त(वे0आ0-सा0नि0)अनु0-7

देहरादून:दिनांक: 13 फरवरी, 2009

विषय:- उत्तराखण्ड राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा एवं बचत योजना के अन्तर्गत मासिक अभिदान एवं आच्छादन की धनराशि का दिनांक 01 जनवरी, 2006 से लागू पुनरीक्षित वेतन संरचना में अनुमन्य ग्रेड वेतन के आधार पर पुनरीक्षण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय शासनादेश संख्या:395/xxvii(7)/2008 दिनांक 17 अक्टूबर, 2008 के द्वारा प्रदेश के विभिन्न वर्गों के कार्मिकों के वेतनमानों का दिनांक 1-1-2006 से पुनरीक्षण किया गया है। इस संबंध में शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त लिये गये निर्णय के क्रम में राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिये राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा एवं बचत योजना के अन्तर्गत मासिक अभिदान एवं आच्छादन के निमित्त दिनांक 01 जनवरी, 2006 से लागू पुनरीक्षित वेतन संरचना में अनुमन्य ग्रेड वेतन के आधार पर निम्न तालिका के अनुसार सामूहिक बीमा आच्छादन की धनराशि, मासिक अभिदान की दर, बीमा निधि एवं बचत निधि की पुनरीक्षित दरों को लागू किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्रमांक	पुनरीक्षित वेतन संरचना में अनुमन्य ग्रेड वेतन	मासिक अभिदान की दर	बीमा निधि	बचत निधि	बीमा आच्छादन की धनराशि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1	रु02800 तक	100	30	70	1,00,000
2	रु0 2801 से रु0 5400	200	60	140	2,00,000
3	रु0 5401 से अधिक	400	120	280	4,00,000

3-मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि उक्त तालिका में अंकित पुनरीक्षित वेतनमानों की संरचना में अनुमन्य ग्रेड वेतन के अनुरूप मासिक


अभिदान की दरों एवं बीमा आच्छादन को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन लागू किया जायेगा।

(क) उक्तानुसार पुनरीक्षित दर से मासिक अंशदान की कटौती मार्च, 2009 का वेतन देय 1 अप्रैल, 2009 से प्रारम्भ कर दी जाएगी।

(ख) पूर्व में निस्तारित किसी प्रकरण को इस शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में पुनर्जीवित नहीं किया जायेगा।

(ग) वेतनमानों की संरचना का उक्त वर्गीकरण मात्र सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत कटौती की जाने वाली धनराशि तथा उसके विरुद्ध देय आच्छादन तक ही सीमित है तथा इसका सेवा संवर्गों के वर्गीकरण से कोई संबंध नहीं है।


(घ) उत्तराखण्ड राज्य कर्मचारी सामूहिक बीमा एवं बचत योजना के संबंध में पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या 16/xxvii(7) सा0बीमा/2005 दिनांक 24 अक्टूबर, 2005 इस शासनादेश प्रभावी होने की तिथि से उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाएगा।

भवदीय,

(आलोक कुमार जैन)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 37 (1)/xxvii(7)/2009 तदतिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. सचिव, मा0 राज्यपाल, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. सचिव, विधानसभा, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय, नैनीताल, देहरादून।
6. स्थानीय आयुक्त, उत्तराखण्ड, नई दिल्ली।
7. पुनर्गठन आयुक्त, उत्तराखण्ड, विकास भवन, लखनऊ।
8. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें सह स्टेट इन्टरनल आडीटर उत्तराखण्ड देहरादून।
9. समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. उत्तराखण्ड सचिवालय के समस्त अनुभाग।
11. इरला चैक अनुभाग उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. निदेशक, एन0 आई0 सी0 उत्तराखण्ड, देहरादून।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा रा

(टी0एन0सिंह)
अपर सचिव।